(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान भारत मौसम विभाग, नई दिल्ली के आधार पर तैयार की गई)

चौ स कु हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय-176 062, हिमाचल प्रदेश

सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

जिला **ऊना** **दिनांक: 03-02-23**

www.hillagric.ac.in/info/kisano_ke_liye_soochna, email: ranars66@rediffmail.comPh.No. : +91-1894 232245 Fax: 91-1894 230406

आगामी पांच दिनों का मौसम पूर्वानुमान:

मौसमी तत्व/दिनांक	**04-02-23**	**05-02-23**	**06-02-23**	**07-02-23**	**08-02-23**
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	25	24	24	24	25
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	5	6	6	6	5
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	58	53	56	45	50
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	30	26	19	23	16
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9.1	9.7	10	10.1	10.4
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	15	9	34	18	15
हवा की दिशा (डिग्री)	3	0	0	0	0
विशेष मौसम चेतावनी					

आगामी पांच दिनों के लिए उक्त जलवायु के हिसाब से निम्न **कृषीय सलाह दी जाती है:**
अगले पांच दिनों में बारिश की संभावना नहीं **है। अधिकतम तापमान 24-25 ºC और न्यूनतम तापमान 5-6 ºC के बीच रहने के संभावना है। हवाओं 9-11 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से चलेंगी. सापेक्षित आद्रता लगभग 16-58 बीच रहेंगी।** हल्के **बादलों** की संभावना है।

<u>मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि कार्य</u>

किसान भाई अधिक जानकारी व अनुमोदित कृषि कार्यों के लिए प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा **प्रकाशित पखवाड़ा को अवश्य देखें. साथ में उस क्षेत्र के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञानं केंद्र के साइंटिस्ट से संपर्क करें**

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/ विमारियां व अन्य	कृषिय सलाह
कोरोना (कोविड़-19) **की महामारी** फैलाव **से बचाव हेतु** किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई गहाई तथा अन्य कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अंतराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें			
गेहूं	बुवाई		गेहूं में रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए वेस्टा @ 16 ग्राम या क्लोडिनाफॉप @ 24 ग्राम (10 डब्ल्यूपी) या 16

			ग्राम (15 डब्ल्यूपी) प्रति कनाल बुवाई के 35-40 दिनों के बाद यानि खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में स्प्रे करें। क्लोडिनाफॉप स्प्रे के 2-3 दिनों के बाद, 2,4-डी @ 50 ग्राम / कनाल डालें। एक हेक्टेयर में घोल बनाने के लिए 30 लीटर पानी का प्रयोग करें। गेहूं की रतुआ संवेदनशील अगेती बुआई किस्मो में पिला रतुआ वीमारी के लक्षण जैसे गेहूं के पतों पर पीले रंग के छोट-छोट दाने सीधी धारियों में प्रकट हों व दूसरी और पतों में पीलापन दिखाई दे तो अनुशंसित रसायनों का छिड़काव करें व 15 दिन के अन्तराल पर दोहराएं ।
तोरिया/सरसों			सापेक्ष आर्द्रता को ध्यान में रखते हुए सफेद रतुआ के हमले से बचने के लिए किसानों को सरसों की फसल की निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि संक्रमण अधिक हो तो डाइथेन-एम-45 @ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे एफिड्स और पैंटेड बग हमले के खिलाफ सरसों की फसल की निगरानी करें। डायमेथोएट 30 ईसी या साइपरमेथ्रिन 10 ईसी (1 मिली/लीटर पानी) का छिड़काव करें। पत्तेदार सब्जियों (साग) के लिए बनी फसल पर इन रसायनों का छिड़काव न करें
सब्जी उत्पादन			सब्जों में पंक्तियों के वीच खली जगह पर घास फूस आदि का मलच या विछोना बना डालने से पैदाबार में बढोतरी होती है किसान भाई सब्जियों की निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों को हटांए। 15 से 25 दिन की सब्जियों में नत्रजन बची हुई मात्रा का छिड़काव करें. सब्जी की नर्सरी को घास व पॉलीशीत से ढकने की सलाह दी जाती है । वह सब्जी के खेतों में जल निकासी सुनिश्चित करें।
मूली और शलजम	विजाई		शलजम, गाजर और मूली को करने की सलाह दी जाती है। सब्जी की फसल में damping off रोग को कम करने के नियंत्रण के लिए Dithane M 45 @ का स्प्रे करने की सलाह दी जाती है । मूली, गाजर, शलजम, पालक और मेथी गाजर, ब्रोकली, लेट्यूस का इंटरकल्चरल ऑपरेशन किया जा सकता है।
प्याज और लहसुन	बुआई		किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से अपने खेतों की निगरानी करें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SC @ 1.0 मिली/3 लीटर पानी का छिड़काव सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ सभी फसलों और सब्जियों में आसमान साफ होने पर करने की सलाह दी जाती है। प्याज की फसल भी होनी चाहिए। चिपचिपी

			सामग्री (टिपोल 1.0 ग्राम /लीटर) के साथ 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से डायथाने एम -45 के छिड़काव की आवश्यकता पर आधारित छिड़काव बैंगनी दाग के संक्रमण के खिलाफ सलाह दी जाती है।
गोभी, फूलगोभी			गोभी, फूलगोभी और ब्रोकोली में लीफ फीडरों के लिए Spinosad @ 1 मिली \ 3 लीटर पानी का छिड़काव जब आकाश साफ रहता है। गोभी, फूलगोभी में downy mildew की आशंका होती है, नियंत्रण के लिए 15 दिनों के अंतराल पर Redomil MZ @ 25 ग्राम प्रति लीटर पानी में स्प्रे करें। सब्जियों में खरपतवार हटाने की सलाह दी जाती है। उर्वरक की बची हुई मात्रा को 15-25 दिन पुरानी फसल में डालना चाहिए। फूलगोभी में 2-3 किलो यूरिया प्रति कनाल में डालें।
आलू	बिजाई		आलू के पौधों की ऊँचाई यदि 15-22 से.मी हो जाए तब उनमें मिट्टी चढ़ाने का कार्य जरूरी है अथवा बुवाई के 30-35 दिन बाद मिट्टी चढ़ाई का कार्य सम्पन्न करें निराई-गुड़ाई करें तथा खरपतवार निकाल दें
पाली होउस खेती	बनस्पति और फल अवस्था		Downy mildew, एफिड्स और स्पोडोप्टेरा के नियंत्रण के लिए अनुशंसित रसायनों का छिड़काव करें। पॉलीहाउस में पीले चिप चिपे जाल को रखें । शिमला मिर्च और टमाटर में लीफ स्पॉट / ब्लाइट के नियंत्रण के लिए Tilt @ 1 मिली प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव की सलाह दी जाती है।
पशुपालन मवेशी भेड़ बकरी इत्यादी		डीवार्मिंग	तापमान गिर रहा है और क्षेत्र में शीतलहर की चपेट में है, इसलिए नवजात बछड़ों और जानवरों को ठंड से बचाएं। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली गायों और भैंसों को खनिज मिश्रण सहित संतुलित आहार दें। साथ ही गौशाला को भी साफ रखें और गौशाला में पानी जमा न होने दें। नवजात बछड़ों में गुलाबी आंखों की बीमारी के, नियंत्रण के लिए उबले हुए पानी में 1% Boric Acid का समाधान तैयार करें और तीन घंटे के नियमित अंतराल पर आंखों को धोएं।घास और हरे चारे का मिश्रण दें। इन दिनों जानवरों को लैंटाना न खाने दें।जानवरों को ठंड से बचाने के लिए ड्राई बेडिंग की व्यवस्था की जाए।युवा बछड़ों को रातों के दौरान शेड में रखना चाहिए।पशुओं के जगह को सुखा रखें। इस मौसम में एक्टो-परजीवी जुओं, चिचाडों के हमले की उम्मीद है, इसकी रोकथाम के लिए Butox @ 2 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से स्प्रे करें। बछड़ों को परजीवियों से बचाने की सलाह दी जाती है। **पशुओं को लाल फूल्नु को खाने से बचाएँ** । नवजात बछड़ों को गंभीर सर्दियों के खिलाफ विशेष देखभाल की जरूरत है क्योंकि वे निमोनिया

			के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं । इसलिए शुष्क बिस्तर और ठंडी हवाओं से सुरक्षा प्रदान करके उन्हें गर्म रखें। उन्हें विटामिन ए ध्यान दें तीन दिन तक दूध में रोजाना 1 मिलीलीटर, एक महीने के बाद दोहराया जाए।
मुर्गीपालन		आहार	मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे। राशन में अनाज की मात्रा 5-7% तक बढ़ाएं। पोल्ट्री शेड में ठंडी हवाओं के सीधे प्रवेश से बचें। मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले / मुर्गियों को साफ पानी दें. फफूंदी लगी आहार को न दें जिस से टाक्सिन निकलने से पर अण्डों की पैदाबार कम हो जाती है / मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे / मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले / पोल्ट्री शेड में ठंडी हवाओं के सीधे प्रवेश से बचें। पक्षियों को ठंड से बचाएं क्योंकि अगले सप्ताह तापमान में गिरावट की संभावना है। पक्षियों को ठंड से बचाएं और फीड में 10% की बढ़ोतरी करें। कॉकसेडिया रोग के हमले के लिए पास के पशुचिकित्सा से परामर्श करें। तापमान गिर रहा है इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गी घरों में ठंड से बचाव के इंतजाम करें।
मशरूम	ढिंगरी मशरूम पैदाबार		बंद कमरे में खुम्ब उत्पादन के लिए जलवायु उचित है सफेद खुम्ब की फसल में कमरे का तापमान 17-18 सें. तक बनाए रखें और पानी भी छिड़कें। पानी छिड़कने के बाद हवा चलाएं ताकि खुम्व के उपर पानी न रहे। खुम्व निकलना षुरू हों तो कमरे का तापमान 18-22 सें. रखें।
फल उत्पादन	पोध संरक्षण		यदि पेड़ों पर दीमक का प्रकोप दिखाई देता है, तो क्लोरपाईरिफास 20 ई.सी. नामक कीटनाशक @3 मिली/ली का छिड़काव करें। **सदाबहार फल में** आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें| पौधरोपण के लिए पौधों का प्रबंध करें| स्ट्रॉबेरी लगाने की सलाह दी। आम ट्रंक के चारों ओर प्लास्टिक की चादरों को लपेटने युवा मीली कीड़े की चढ़ाई को रोकने के लिए किया जाना चाहिए। पॉलीथिन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए तेल लागू करें। यदि स्टेम बोरर की समस्या है उन्हें मिट्टी का तेल लगाने के साथ नियंत्रित करें।पौधों के बेसिनों को खरपतवार से मुक्त रखें। सर्दियों में पौधे जैसे मटरनट, अखरोट, बादाम बेर और आड़ू लगाने के लिए गड्ढों को तैयार करें। आड़ू गम में पेड़ के तने से बाहर आ रहा है, नियंत्रण के लिए बोर्डेक्स पेंट प्रभावित क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है।

मधु मक्खी पालन	सक्रिय	पोषण	मधु मक्खीयों के कमजोर गृहों को बनावटी खुराक 50 प्रतिशत चीनी व 50 प्रतिशत गुड का घोल बन कर दें. फाउल ब्रूड रोग के प्रति सचेत रहे. मौनालय के आसपास घास व खरपतवार नियंत्रण रखें.
मछली पालन	वीज डालने का समय		मछली पालन में, देर रात/सुबह के दौरान पानी की गर्म गहरी परतें प्रदान करने के लिए जल स्तर 4-5 मीटर बनाए रखना।
पुष्प		माईटस	गेंदा की फसल में सड़ने की बीमारी पर नजर रखी जाती है। यदि लक्षण पाए जाते हैं तो 1 ग्राम लीटर या इंडोफिल-M 45 @ 2 मिली लीटर पानी की सिफारिश की जाती है। जब मौसमी फूल 10-15 सेमी की ऊंचाई प्राप्त करते हैं तो टर्मिनल बढ़ती कलियों 1-2 सेमी की चुटकी करते हैं ताकि प्रोफोज फूल के लिए साइड ब्रांचिंग को प्रोत्साहित किया जा सके।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
चो० स. कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विस्वविद्यालय, पालमपुर -176062
हिमाचल प्रदेश